

REGISTRATION & STAMPS DEPARTMENT  
SR OFFICE CHAKSU

CHAKSU

(Rule 75 & 131)

FEE RECEIPT

Fee Sr. No. : 2007000754  
 Presenter Name : NAMP SINGH  
 Presenter Address : NIHOOLA  
 Document Type : SALE DEED (CONVEYANCE DEED)  
 Claimant Name : DR. SMROOPNARAYAN MEMORIAL EDU. & RES. SOCIETY, 62, GYAN VIHAR NIRMAL NAGAR JAIPUR  
 Document S.No. : 2007000855

Dated : 28/03/2007  
 Face Value : 350000

Stamp Value : 500

Ordinary Registration Fee	: 3500	Commission Fee	: 0
Copy/Scanning/Inspection Fee	: 200	Custody Fee	: 0
Fee for Memorandum u/s 64-67	: 0	Miscellaneous Fee	: 0
Certified Copying Fee u/s 57	: 0	Stamp Duty Cash	: 22250
Translation Fee u/s 62	: 0		
Late Fee u/s 25-34	: 0		

TOTAL : 25950

Amount Rs: ~~35000~~ Twenty Five thousand Nine Hundred Fifty only



Sub Registrar, CHAKSU

Handwritten signatures and initials: "CA", "S.P.", "M", and "S.M." are present. There are also handwritten notes in Hindi: "अनुमति" (Approval) and "अनुमति" (Approval).

भारतीय गैर न्यायिक  
भारत INDIA

रु. 500

FIVE HUNDRED  
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NO

राजस्थान RAJASTHAN

राजस्थान सरकार

17/07/07  
जय जयपुर  
राज्य



826739

नन्द सिंह

श्री नन्द सिंह



नेवक

विक्रय - पत्र :

आज दिनांक 28 मार्च 2007 ईस्वी को इस लेख पत्र में हम श्री नन्दसिंह , भवणसिंह पुत्रान् श्री भैरवसिंह व गुण नवलकरवर देवा भैरवसिंह जाति राजपूत आयु क्रमशः 35, 30, 60 साल निवासी ग्राम निमोडिया तहसील बाकम्बु जिला जयपुर राजस्थान प्रान्त को विक्रेतागण प्रथमपक्षकार शब्द से सम्बंधित किया गया है, जिसमें इनकी समस्त उत्तराधिकारियों, दायभागियों, स्वनापन्नी आदि को सम्मिलित समझा जावेगा की ओर से बहक डेता श्री0 स्वरूपनारायण मैमोरियल एजुकेशनल एण्ड रिसर्च सोसायटी , जरिये सचिव श्री सांकेत माधुर पुत्र श्री रातीश एन्. माधुर जाति कायस्थ निवासी स्वरूप विला -62, ज्ञान विहार, जनपथ निर्माण नगर, जयपुर जिला जयपुर राजस्थान प्रान्त को डेता द्वितीयपक्षकार शब्द से सम्बंधित किया गया है के मध्य सम्पादित किया गया है।



श्री. नवलकर

उपर्युक्त  
बाकम्बु  
(जयपुर)



श्री नन्द सिंह

नन्द सिंह



1/2/1

जो कि वार्ड ग्राम निमोडिया तहसील चाकसू जिला जयपुर, राजस्थान प्रान्त के अन्तर्गत सूखे भूमि आराजी खतार नं० 1588 रकबा 2.38 हेक्टर पक्की संपूर्ण में हिस्सा 88/119 दर हिस्सा 1/2 भाग संपूर्ण व खतार नं० 1589 रकबा 0.76 हे०, खतार नं० 1588 रकबा 0.06 हे० कुल कित्ता 2 कुल रकबा 0.82 हेक्टर पक्की संपूर्ण में हिस्सा 1/2 संपूर्ण की खातीदारों हमारे नाम दर्ज राजस्थान रेकार्ड अफिस, व. सिता, है। जिसका हम एक मात्र कानिज, मालिक व स्वामी है। इस प्रकार उक्त घनिष्ठ भूमि के संबंध में सम्पूर्ण मालिकाना हक हकुक हम स्वयं को प्राप्त है तथा उक्त भूमि को आज पूर्व किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, फर्म आदि को हक में विक्रय, रहन बंध बजारी, अंधक, हस्तान्तरित आदि नहीं की हुई है, यह भूमि आज तक प्रत्येक प्रकार के झगड़ों टंटों आदि से मुक्त व पाक है। इस भूमि को हर प्रकार से विक्रय, हस्तान्तरित आदि करने के लिये संपूर्ण अधिकार हम विवेकानन स्वयं को प्राप्त है। जिसके लिये हम पूर्णतया स्वांत्र है।

नं० १६



श्री. नवल केवर

 श्री. शंकर शि

उपरोधीयक  
चाकसू  
(जयपुर)



1/3/1

आएव हम विक्रेतागण ने अपनी सजी सगी होश इयास में बिना किसी अन्य व्यक्ति के दबाव या आग्रह के उक्त वर्णित खातेदारों की भूमि आसजी खसरा नं० 1586 रकबा 2.38 हेक्टर पक्की संपूर्ण में हिस्सा 68/118 दर हिस्सा 1/2 भाग संपूर्ण व खसरा नं० 1580 रकबा 0.76 हे०, खसरा नं० 1588 रकबा 0.06 हे० कुल कित्ता 2 कुल रकबा 0.82 हेक्टर पक्की संपूर्ण में हिस्सा 1/2 भाग संपूर्ण में से रकबा 0.10 हेक्टर संपूर्ण को विक्रय कस्ता है तथा उक्त भूमि संपूर्ण को समस्त मलिकाना, स्वामित्व, स्वधिकारों सहित सब सोल, सोल, पानी, पुल, मेर कोर, वृक्षादि सहित मुबल्लिग रुपया 3,50,000/- अर्थात् तीन लाख पचास हजार रुपया मात्र नोट भारत सरकार के एज में केता डॉ० स्वरूपनाथयण मैमोरियल एजुकेशनल एण्ड रिचर्स सोसायटी, जरिये सचिव श्री साकेत माधुर पुत्र श्री सतीश एन. माधुर जाति कायस्थ निवासी स्वरूप विला - 62, जून विहार, जनपथ निर्माण नगर, जयपुर जिला जयपुर के हक में अन्तिम रूप से विक्रय कर दिया है, अर्थात् बेच दिया है तथा प्रतिफल विक्रय की संपूर्ण धनराशि चुकती जरिये बैंक नं० 681913 राशि 1,17,000/- रुपया दिनांक 28/3/07 ईस्वी का नन्दसिंह, बैंक नं० 681914 राशि 1,17,000/- रुपया दिनांक 28/3/07 ईस्वी का ब्रजलाल, बैंक नं० 681915 राशि 1,16,000/- रुपया दिनांक 28/3/07 ईस्वी का नवलकर, को बैंक आई. सी. आई. सी. आई. बैंक शाखा बीजी टावरस सी-स्क्रीम, जयपुर का हम विक्रेतागण ने उक्त केता से प्राप्य करती है, कुछ भी राशि लेनी शेष नहीं रही है तथा उक्त वर्णित विक्रय की गई भूमि संपूर्ण का कब्जा नोट पर वास्तविक रूप से केता का करवा दिया है अर्थात् संभला दिया है, अब केता जिस प्रकार चाहे इसका उपयोग व उपभोग कर सम्भालियता होवे। इस संबंध में हमारा व हमारे अन्य उत्तराधिकारियों आदि का किसी प्रकार का विरोध या एतराज मान्य नहीं है एवं ना ही भविष्य में होगा।

यह कि उक्त वर्णित विक्रय की गई भूमि संपूर्ण आज पूर्व के समस्त सरकारी अई सरकारी, जन साधारण के अर्थों वाले कंपनी जमानतों आदि से पूर्णतया मुक्त व बाक है तथा इन प्रकार के अगल्ले टटो आदि से मुक्त एवं सविश्व है। इसमें हम विक्रेतागण के अलावा अन्य कोई साझी व हिस्सेदार नहीं है, अगर भविष्य में कोई साझी व हिस्सेदार उत्पन्न होकर किसी प्रकार का दावा अथवा विवाद पैदा करेगा तो उसका संपूर्ण निपटारा हम विक्रेतागण खातेदार स्वयं के धन व धन से किया जावेगा। इस संबंध में हमारा व हमारे अन्य उत्तराधिकारियों आदि का किसी प्रकार का विरोध या एतराज मान्य नहीं होगा।

नन्दसिंह

नि० नवलकर

नि० लक्ष्मण

उपपंजीयक  
शाक्य  
(जयपुर)



1/4/1

यह कि उक्त वर्णित विक्रय की गई भूमि संपूर्ण का नामान्तरण हम विक्रेतागण के द्वारा उक्त क्रेता के हक में नियमानुसार राजस्व विभाग से खुलवा दिया जावेगा अन्यथा क्रेता स्वयं इस लेख्य पत्र के आधार पर अपने नाम नामान्तरण खुलवा लेंगे तथा इस पर कब्जा होकर हर प्रकार से उपयोग व उपभोग कर लाभान्वित होंगे । इसका निर्धारित राजस्व शुल्क अपने नाम से जमा करावें ।

यह कि उक्त वर्णित विक्रय की गई भूमि संपूर्ण बांरानी, कुर्वि उपयोग की है तथा उक्त भूमि में किसी प्रकार का कोई निर्माण आदि किया हुआ नहीं है, जो आबादी से करीबन 2 कि.मी. व लिंक रोड निमोडिया से 1/2 कि.मी. से अधिक व चाकसू से 5 कि. मी. दूर स्थित है तथा विक्रय पत्र के निर्भादित संबंधी समस्त व्यय भार क्रेता स्वयं ने अपने पास से वहन किया है ।

यह कि उक्त विक्रय पत्र की फोटो प्रति अपठित व अस्पष्ट होने पर इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विक्रेतागण व क्रेता स्वयं की होगी ।

अतएव यह विक्रय पत्र हमने अपनी राजी खुशी होरा हवास में बिना किसी अन्य व्यक्ति के दबाव या आग्रह के एक मुद्रांक कीमती 500/- रूपया व तीन पेपर पर व ह क क्रेता के हक में लेख्य कर दिया सो सही है तथा इसको पढकर, सुनकर समझकर सही स्वीकार कर अपने हस्ताक्षर/ निशानी निम्न गवाहान के समक्ष कर दिये सो प्रमाण रहे तथा आवश्यकता के समय काम आवें । इति लेख्य दिनांक 28 मार्च 2007 ईस्वी।

*Handwritten signature*

हस्ताक्षर क्रेता

*Handwritten signature*



हस्ताक्षर विक्रेतागण :-

हस्ताक्षर विक्रेतागण :-

*Handwritten signature*



गवाह -1 श्री दादा कृष्ण डी. उम वर्ष पुत्र श्री साधुसिंह जति कुमार  
निवासी दामापुरा तहसील चाकसू

गवाह -2 श्री जगदीश उम 30 वर्ष पुत्र श्री राजसहाय जति कृष्ण  
निवासी दामापुरा तहसील चाकसू जिला जयपुर

*Handwritten signature*

*Handwritten signature*  
उपपंजीयक  
चाकसू  
(जयपुर)

